एम. के. पांगती
अध्यक्ष
M. K. Pangtey
CHAIRMAN

हरियाणा ग्रामीण बैंक
प्रधान कार्यालयःनजदीक बजरंग भवन,
दिल्ली रोड, रोहतक
दूरभाशः 01262 258709, फैक्सः 01262
271206

सन्देश

दिनांक : 06.04.2012

प्रिय साथियो,

वित्त वर्ष 2011–12 के समापन के बाद हम वर्ष 2012–13 में प्रवे”ा कर चुके हैं। बीते वर्ष के हमारे परिणाम ठीक–ठीक रहे। यद्यपि हम जमा एवं अग्रिमों जैसे मुख्य मानदण्डों में अपने आवंटित लक्ष्यों से पीछे रहे हैं मगर इसे हमें एक चुनौती की तरह लेकर वित्त वर्ष 2012–13 की शुरूआत से ही लक्ष्य प्राप्ति हेतु रणनीति बनाकर टीम भावना से जुट जाना है।

मुझे आपको यह बताते हुए खु”ाी हो रही है कि समाप्त हुए वित्त वर्ष के अन्तिम दिनों में प्रधान कार्यालय के आह्वान पर दिखाया गया आपका सहयोग काफी बेहतर परिणामदायक रहा, जिससे नयी आ”ाा एवं उत्साह का संचार तो हुआ ही है साथ ही इस वि”वास की पुष्टि हुई है कि मैं एक ऐसी टीम के बीच खड़ा हूँ जो अपेक्षित परिणाम देने में पूर्णतः सक्षम एवं सहयोगी है। इसके लिये मैं आप सबको धन्यवाद देता हूँ।

एचजीबी परिवार को यह जानकर प्रसन्नता होगी कि समाप्त हुए वित्त वर्ष में बैंक ने अपने लाभ, एनपीए आदि के लक्ष्यों को हासिल करते हुए वित्तीय समावे”ान, सौर ऊर्जा जागरूकता, वित्तीय साक्षरता, कौ”ाल उन्नयन जैसे सामाजिक आर्थिक उत्तरदायित्वों को पूर्ण निष्ठा से निभाते हुए सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में बढ़–चढ़कर अपनी विस्तृत भूमिका निभायी है। बैंक ने इस वित्तीय वर्ष में 22 नयी शाखाएं खोलकर आमजन तक आधुनिकतम बैंकिंग सेवाएं पहुँचाने की प्रतिबद्धता को मूर्तरूप दिया है।

साथियो, वर्ष 2012–13 के लिये हमें अभी से इस तरह योजना बनानी है कि हम अपने आर्थिक एवं सामाजिक मानदण्डों के सभी लक्ष्य हासिल ही नहीं करें बल्कि उन्हें पर्याप्त अन्तर से पार करें। यहाँ मैं आपसे कुछ बातें साझी करना चाहूँगा। बीते वर्ष में हमें अपनी कुछ शाखाओं की ऋण शक्तियां स्थगित या स”ार्त करनी पड़ी। कारण था ऋण जमा अनुपात (सीडी रे”ाो) का असंगत होना तथा वित्त–चक्र को समुचित बनाये रखने एवं नियमानुसार निवे”ा की बाध्यता हेतु पूंजी की जरूरत।

हमें अपनी उन शाखाओं में जहाँ ऋण जमा अनुपात मिसमैच है जमारा”ा संग्रहण की अधिकाधिक संभावनाओं को तला”ा, उनका पूर्ण रूपेण दोहन कर इसे सही स्थिति में लाना है। अतः हमें उत्कृष्ट ग्राहक सेवा देते हुए अपने आस–पास के क्षेत्र में उस वर्ग तक पहुँच बनानी एवं उसका वि”वास जीतना होगा जो जमारा”ा संग्रहण में हमें अच्छे परिणामों हेतु सहयोग कर सकता है।

साथियो, मेरी प्रबल इच्छा है कि हमारा बैंक क्षेत्र में अपनी सुदृढ़ छवि के साथ अपनी पहचान को और प्रगाढ़ करे। इसके लिये अति आव”यक है कि हमारी प्रत्येक शाखा उत्कृष्ट परिणाम दे और एचजीबी परिवार का प्रत्येक सदस्य उसमें अपना अतिरिक्त योगदान देकर अपनी भूमिका को और भी महत्त्वपूर्ण बनाये। बड़े लक्ष्य हमारी असीम शक्तियों को उजागर करने का जरिया बनकर हमारा मनोबल बढ़ाते हैं, जब मनोबल ऊँचा हो तो बड़े से बड़े लक्ष्य को हासिल करना भी आसान होता है। हमारे पास पूरा एक वर्ष है, हमें अपनी निष्ठा और जुझारूपन से हर चुनौती पर विजय पानी है। मैं 31 मार्च 2013 को अपने एचजीबी परिवार के प्रत्येक सदस्य के चेहरे पर विजयी मुस्कान देखना चाहता हूँ। आइये! आज से ही नये उत्साह, नयी लगन एवं नयी ऊर्जा के साथ अपने लक्ष्यों की तरफ सधे कदम बढ़ाते हुए सफलता के नये प्रतिमान स्थापित करने की राह पर बढ़ें।

हार्दिक शुभकामनाओं के साथ,

दृढ़ संकल्पों के साथ मिलकर चलें और विजेता बनें!

आपका,